अतिक्रमण | तीन पत्ती क्षेत्र में सड़क बनी मैकेनिक जोन, पार्किंग और अतिक्रमण से बिगड़ी यातायात व्यवस्था

अव्यवस्था : सड़क बनी मैकेनिक जोन

नवभारत , जबलपुर । शहर के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल तीनपत्ती मार्ग पर यातायात व्यवस्था लगातार बदहाल होती जा रही है। सड़क के दोनों ओर खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों, ऑटोमोबाइल दुकानों और सड़क तक फैली अव्यवस्थित गतिविधियों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मंगलवार को नवभारत की जांच पड़ताल में यह भी सामने आया कि सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी व्यवस्था का रूप ले चुकी है। ऐसा प्रतीत होता है मानो सार्वजनिक सड़क को धीरे-धीरे निजी उपयोग के लिए छोड़ दिया गया हो।

सड़क पर सजा मैकेनिक जोन

क्षेत्र में संचालित कई ऑटोमोबाइल, कार एक्सेसरीज़ और मैकेनिक प्रतिष्ठानों के बाहर ग्राहकों के वाहन घंटों खड़े रहते हैं। कई बार सड़क किनारे ही वाहनों की मरम्मत का काम भी होता देखा जाता है।

स्मार्ट सिटी के गढ़ में अव्यवस्था

तीनपत्ती शहर के सबसे व्यस्त और व्यावसायिक इलाकों में गिना जाता है। ऐसे क्षेत्र में यदि सड़कें पार्किंग स्थल और खुले गैराज में बदल जाएं तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं, बल्कि प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल खड़ा करता है।

रोज दिखता है अतिक्रमण का नया चेहरा

तीन पत्ती क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े वाहन अब सामान्य दृश्य बन चुके हैं। कई दुकानों के सामने ग्राहकों के वाहन घंटों खड़े रहते हैं, वहीं कुछ स्थानों पर सड़क किनारे ही वाहनों की मरम्मत और सर्विसिंग का काम भी होता दिखाई देता है। यहीं वजह है कि सड़क का वास्तविक उपयोग प्रभावित होता नज़र आ रहा है ।

युवक को डराकर साइबर ठग ने हड़पे 3 .02 लाख

नवभारत, जबलपुर। सिविल लाइंस थाना अंतर्गत पचपेढ़ी स्थित रानी दुर्गावती कैंप निवासी युवक को जालसाज ने ऑनलाइन गंभीर परिणाम भुगतने और चोट पहुँचाने की धमकी दी। आरोपी ने पीड़ित के मन में इस कदर डर पैदा कर दिया कि उसने झांसे में आकर कुल 3,02,006 रुपये गंवा दिए। पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिविल लाइंस पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पचपेढ़ी स्थित रानी दुर्गावती कैंप के निवासी शोभाराम मेहरा (45) से अज्ञात ठग ने से संपर्क किया था। उसने पीड़ित को किसी मामले में फंसाने या शारीरिक चोट पहुँचाने का डर दिखाया। जब पीड़ित बुरी तरह डर गया, तो आरोपी ने मामला रफा-दफा करने या खुद को बचाने के एवज में रुपयों की मांग की। डर के साए में पीड़ित ने अलग-अलग किस्तों में कुल 3 लाख 2 हजार 6 रुपये आरोपी के बताए खातों में भेज दिए। जब उसे ठगी का अहसास हुआ, तब पीड़ित ने थाने पहुँचकर अपने साथ हुई आपबीती सुनाई। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से उस अज्ञात नंबर और बैंक खातों की कड़ियों को जोड़ रही है, जिसमें रकम ट्रांसफर की गई है।

फ्रीज सुधारने के नाम पर ऐप डाउनलोड कराकर खातों से उड़ाए 1 .90 लाख

बेलखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम हिनोतिया में एक जालसाज ने फ्रिज ठीक करने के बहाने मोबाइल पर वायरस वाली फाइल इंस्टॉल करवा दी। इसके बाद पलक झपकते ही पति और पत्नी के दो अलग-अलग बैंक खातों से कुल 1 लाख 90 हजार रुपये साफ कर दिए। पुलिस के मुताबिक, हिनोतिया निवासी 44 वर्षीय गिरिराज सिंह ठाकुर के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने बेहद पेशेवर अंदाज में बात करते हुए कहा कि वह उनके घर पर फ्रिज सुधारने के लिए मैकेनिक भेज रहा है। इसके बाद उसने व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी और कहा कि इसे डाउनलोड करने के बाद ही इंजीनियर उनकी सही लोकेशन पर पहुँच पाएगा। गिरिराज सिंह ने जैसे ही उस अज्ञात फाइल को अपने फोन में डाउनलोड किया, शातिर हैकर ने उनके पूरे फोन का एक्सेस अपने हाथ में ले लिया। कुछ ही मिनटों बाद पीड़ित के मोबाइल पर धड़ाधड़ मैसेज गिरने लगे। ठग ने सबसे पहले गिरिराज के पाटन स्थित एसबीआई खाते से 90 हजार रुपये निकाले और फिर दूसरी बार में 10 हजार रुपये पार कर दिए। इसके तुरंत बाद, ठगों ने उसी फोन में लिंक उनकी पत्नी के पाटन एसबीआई खाते में भी सेंध लगा दी और वहाँ से भी 90 हजार रुपये उड़ा लिए। दोनों के खातों से कुल 1,90,000 रुपये की ऑनलाइन चोरी की गई।

बैंक में खड़े किसान के बैग से 70 हजार रुपये पार

नवभारत,जबलपुर। सिहोरा थाना अंतर्गत गौरी तिराहा स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अंदर पैसे जमा करने खड़े एक युवक के पिट्ठू बैग की चेन खोलकर अज्ञात चोर ने चालाकी से 70 हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, ग्राम खुड़ावल निवासी धर्मेंद्र लोधी (30) पिछले करीब 5 महीने से इंदौर की रेडिएंट कैश मैनेजमेंट सर्विस कंपनी में कार्यरत है। दोपहर करीब 1 बजे धर्मेंद्र अपनी गेहूं की फसल के 1 लाख 90 हजार रुपये निकालने सिहोरा स्थित आईडीबीआई बैंक गया था। वहां से नकदी निकालने के बाद वह सीधे सेंट्रल बैंक पहुँचा। धर्मेंद्र ने गेहूं के पैसों की दो गड्डियां बनाई थीं एक 1 लाख 20 हजार रुपये की और दूसरी 70 हजार रुपये की। दोनों गड्डियों को उसने अपने पिट्ठू बैग में सुरक्षित रख लिया था। दोपहर करीब 1:15 बजे वह सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की गौरी तिराहा शाखा पहुँचा। उसने पिट्ठू बैग को अपने दाहिने कंधे पर टांगा और काउंटर पर अपनी कंपनी के पैसे जमा करने लगा। पैसे जमा करने की प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब धर्मेंद्र ने अपना बैग चेक किया, तो उसके होश उड़ गए। उसके पिट्ठू बैग की चेन खुली हुई थी और अंदर रखी 70 हजार रुपये वाली गड्डी गायब थी। हालांकि, चोर दूसरी बड़ी गड्डी 1.20 लाख रुपये तक नहीं पहुँच पाया। पुलिस ने धर्मेंद्र लोधी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस बैंक के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि बैंक में रेकी कर रहे संदिग्धों और चोर की पहचान की जा सके।

कार अनियंत्रित होकर पलटी, एयर बैग खुले

- वाहन के उड़े परखच्चे, डॉक्टर बाल-बाल बचे
- जबलपुर-दमोह मार्ग पर हुआ हादसा

जबलपुर । कटंगी थाना अंतर्गत बेलखाड़ू चौकी स्थित झगरा जबलपुर-दमोह मार्ग पर एक तेज कार अनियंत्रित होकर पलट गई । हादसा होते ही कार के एयर बैग खुल गए और कार चालक डॉक्टर बाल बाल मच गए । हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए थे। बेलखाड़ू चौकी प्रभारी एस आई अमित मिश्रा ने बताया कि दमोह निवासी डॉक्टर रमेश प्रसाद साहू के पुत्र अंगीरथ साहू कार क्रमांक एमपी 20 सीसी 5596 से किसी काम के सिलसिले में दमोह से जबलपुर आ रहे थे। मंगवार दोपहर साढ़े तीन बजे वे जैसे ही जबलपुर-दमोह मार्ग पर झगरा रिंग रोड की निर्माणाधीन सड़क एवं पुलिया के समीप पहुंचे तभी उनकी कार अचानक अनियंत्रित हो गई और कार कई बार पलटते हुए सड़क किनारे जा गिरी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कार परखच्चे उड़ गए। गनीमत रही कि डॉक्टर सीट बेल्ट लगाए हुए थे और हादसा होते ही कार के एयर बैग खुल गए थे । हादसे में डॉक्टर को चोटें नहीं आई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटाने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद वाहन को दुर्घटनास्थल से हटाया गया और यातायात सामान्य किया गया।

वाहनों की खरीद फरोख्त के नाम पर विश्वासघात

- 26 .84 लाख के वाहन हड़पे,अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज

जबलपुर । वाहनों की खरीद फरोख्त के नाम यादव कॉलानी निवासी एक व्यापारी के साथ जालसाजों ने विश्वासघात करते हुए 26.84 लाख के वाहन हड़पते हुए अमानत में ख्यानत कर दी । पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है ।

पुलिस के मुताबिक जितेन्द्र कुमार कुशवाहा 33 वर्ष निवासी ग्राम सुरान नारायणपुर जिला औरैया (उप्र) का निवासी है। करीब एक वर्ष से जबलपुर में यादव कालोनी थाना लार्डगंज क्षेत्र में रहता है उसकी ए.के. इंटरप्राइजेज के नाम से कंपनी है उसकी कंपनी केबिल डालने का काम करती है। कंपनी में राजस्थान निवासी रंजीत बीते तीन साल से मशीन किराये से लाकर खुद आपरेट करता था। उसके पास मशीन नहीं होने से रंजीत ने बोला कि आप जमीन के अंदर केबिल डालने वाली मशीन स्वयं खरीद ले तब उसने वीर तेजा इंटरप्राइजेज के मालिक विश्राम जाट से संपर्क कराया जिनकी दुकान किशनगढ़ा राजस्थान में है बात करने पर 10,62,000 रूपये की एच.डी.डी. मशीन की कीमत होना बताया तब उसने मशीन क्रय करने की सहमति दे दिया और मशीन क्रय कर लिया चूंकि उक्त मशीन को एक वाहन की आवश्यकता थी उस संबंध में उसने विश्राम जाट से रंजित के माध्यम से बात किया। रंजीत व विश्राम जाट ने बताया ट्रक, ट्रैक्टर व टेंकर जिनकी कीमत 14,09,000 रूपये कीमत कुल 24,71,000 रूपये बताये। कुल राशि 26,84,118 रूपये विश्राम जाट व रंजीत द्वारा बताये गये खातो पर भेजा लेकिन रंजीत ने विश्राम जाट के साथ मिलकर उसकी मशीन व ट्रक एवं टेंकर व ट्रैक्टर को अपने पास रखते हुये उसके साथ अमानत में ख्यानत किया है।

एक नजर में

मई माह में 670 वैगनों की मरम्मत हुई

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों एवं वैगनों के अनुरक्षण कार्य को निरंतर उच्च गुणवत्ता के साथ संपादित किया जा रहा है। मुख्य कारखाना प्रबंधकों के मार्गदर्शन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दूसरे माह मई 2026 के दौरान दोनों कारखानों में कुल 670 कोचों वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। इस उपलब्धि में सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल द्वारा 94 कोचों तथा डब्ल्यूआरएस, कोटा द्वारा 576 वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूआरएस, कोटा ने रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 575 वैगनों के लक्ष्य को पार करते हुए 576 वैगनों का अनुरक्षण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पश्चिम मध्य रेल के दोनों कारखानों द्वारा कुल 8,725 कोचों वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया था, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि रही। इसमें सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल द्वारा 1,336 कोचों तथा डब्ल्यूआरएस, कोटा द्वारा 7,389 वैगनों का अनुरक्षण किया गया था।

पुष्पा हत्याकांड की गुत्थी अनसुलझी, कातिल पर ईनाम

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत हनुमान नगर अन्ना बाबा के पीछे बड़ा पत्थर में 75 वर्षीय महिला पुष्पा शर्मा की हुई नृशंस हत्या की गुत्थी अनसुलझी है। हत्या किसने और किन कारणों से की है इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है । इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने आरोपित की गिरफ्तारी पर दस हजार रूपए का ईनाम घोषित कर दिया है। विदित हो कि सुनील शर्मा 55 वर्ष निवासी हनुमान नगर बड़ा पत्थर के घर के बाजू में उसकी बड़ी बहन पुष्पा शर्मा 75 वर्ष रहती थीं। 26 मई की रात लगभग 8 बजे अपने घर सोने के लिये चली गयीं थीं, 27 मई की रात लगभग 9 बजे तक घर के बाहर नहीं आयी तो सुनील शर्मा अपने दोस्तों के साथ बहन के घर पहुंचा था। घर के बाहर बाउण्ड्री के गेट अंदर से बंद था बाउण्ड्री के उपर से सभी अंदर आंगन में आये कमरे के गेट का एक पल्ला खुला हुआ था। कमरे में फर्श व दीवाल पर खून के निशान व खून के घसीटने के निशान बने थे। मुख्य गेट पर कपड़े गाउन चादर एक जोड़ी चप्पल दरवाजे के पास पड़ी थी सभी लोग खून के घसीटने के निशान को देखते हुये आंगन में कुएं तरफ गये देखा तो पुष्पा शर्मा का शव कुएं के अंदर पानी में उतरा रहा था जिसकी मौत हो चुकी थी।

सात अन्य आरोपियों पर भी ईनाम

रांझी थाने में मारपीट समेत अन्य धाराओं के तहत दर्ज प्रकरण में फरार तरूण पटेल, सोनू यादव, सौरभ बेन, मोनू खान एवं एक अ न्य मामले में सनी मराठा कालवे पर पांच-पांच हजार रूपए, गोहलपुर थाने में दर्ज चाकूबाजी के प्रकरण में फरार दो आरोपियों पर तीन-तीन हजार रूपए का ईनाम घोषित किया गया है ।

सरोज विश्वकर्मा का निधन

जबलपुर । मदर टेरेसा नगर निवासी श्रीमती सरोज विश्वकर्मा का मंगलवार प्रात: 9 बजे, 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज प्रात: 11 बजे मारुति परिसर, मदर टेरेसा नगर, जबलपुर से निकाली जाएगी। अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम, जबलपुर में संपन्न होगा।

टीआई ने नाक बचाने, लापरवाही छुपाने अफसरों को किया गुमराह

एफआईआर दर्ज होने पर उठा पर्दा, पुलिस अभिरक्षा से हथकड़ी समेत भागा था

नवभारत, जबलपुर। सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय परिसर से पुलिस को चकमा देकर एक शातिर वारंटी हथकड़ी समेत फरार हो गया था। मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब वारंटी के भागने के बाद लॉर्डगंज थाना प्रभारी नवल सिंह आर्य पूरे मामले पर पर्दा डालते नजर आए। उन्होंने दावा किया कि कोई भी वारंटी पुलिस हिरासत से नहीं भागा है। अस्पताल में किसी अन्य व्यक्ति के भागने का शोर मचा था, जिसे सुनकर पुलिस दौड़ी थी और वारंटी के भागने की खबर पूरी तरह अफवाह है। लेकिन हकीकत में थाना प्रभारी अपनी नाक बचाने और लापरवाही को छुपाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भी गुमराह करते हुए गलत और भ्रामक जानकारी दे रहे थे। हालांकि, एफआईआर दर्ज होने के बाद पर्दा उठा और वारंटी के भागने की सही खबर अधिकारियों तक पहुंची । इस मामले में अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए। पूरा मामला आला अधिकारियों के संज्ञान में आ चुका है। इस लापरवाही को लेकर दोषी, गुमराह करने वाले थानेदार पर विभागीय कार्रवाई की गाज गिरती है या नहीं इस पर सबकी नजर टिकी हुई है।

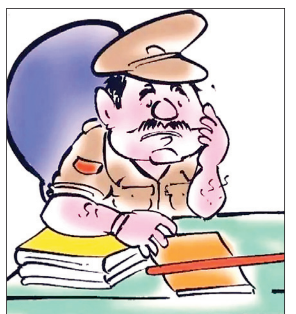

क्या था मामला

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लॉर्डगंज पुलिस ने चार वारंटियों अनिल कुमार, शुभम मिश्रा, विनोद उर्फ विन्नू और प्रदीप तिवारी को गिरफ्तार किया था। 31 मई को आरक्षक आदर्श दुबे और आरक्षक रोहित शर्मा चारों को हथकड़ी लगाकर सरकारी मोबाइल वाहन से विक्टोरिया अस्पताल लेकर पहुंचे। दोपहर करीब 1:21 बजे टीम थाने से रवाना हुई थी। अस्पताल परिसर में मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया के दौरान जैसे ही संजीवनीनगर निवासी प्रदीप तिवारी 28 वर्ष, पिता हल्केराम तिवारी की बारी आई, वह तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर दोपहर ठीक 2 बजे अस्पताल परिसर से रफूचक्कर हो गया था साथी पुलिसकर्मियों ने आसपास के इलाकों में उसकी घेराबंदी की, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा था।

सीएसपी को भी टीआई ने दिया गलत इनपुट

मामले में सबसे हैरान करने वाली बात लॉर्डगंज थाना प्रभारी नवल सिंह आर्य का रवैया रहा। जब अस्पताल परिसर से वारंटी के भागने की खबर फैली, तो थाना प्रभारी यह कहते नजर आए कि, कोई वारंटी नहीं भागा है। किसी अन्य व्यक्ति के भागने का हल्ला मचा था, जिसके पीछे पुलिस दौड़ी थी। वारंटी के भागने की खबर पूरी तरह झूठी है। यहीं जानकारी उन्होंने कोतवाली सीएसपी रितेश कुमार शिव को भी दी थी । थाना प्रभारी अपनी नाक बचाने और विभागीय साख को छुपाने के लिए अपने ही वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार गलत इनपुट देते रहे।

मामले को दबाया, प्रकरण दर्ज हुआ तब झूठ से उठा पर्दा

टीआई ने पहले तो अपनी टीम को खूब दौड़ाया। सोचा था वारंटी पकड़ लेगे किसी को कानोंकान खबर नहीं होगी लेकिन जब हवा में लट्ठ घुमाने के बाद भी वारंटी नहीं मिला तब आखिरकार पुलिस अभिरक्षा से भागने का मामला दर्ज हुआ तब थाना प्रभारी के झूठ का पर्दाफाश हुआ बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों तक सच पहुंचा । पुलिस अभिरक्षा से भागे आरोपी पर गलत बयानबाजी करने और मामले को दबाने को लेकर थाना प्रभारी अब खुद सवालों के घेरे में हैं। सूत्रों की माने तो उच्च अधिकारी इस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है ।

तीन आरोपी जेल भेजे गए, फरार को भी दबोचा

वारंटी प्रदीप तिवारी के भागने के बाद, पुलिस टीम ने बाकी बचे तीन वारंटियों अनिल कुमार, शुभम मिश्रा और विनोद को सुरक्षित न्यायालय के समक्ष पेश किया था। न्यायालय के आदेश पर तीनों के जेल वारंट जारी किए गए और उन्हें केंद्रीय कारागार में दाखिल करा दिया गया है। सूत्र बताते है कि एफआईआर के बाद पुलिस ने फरार आरोपी को भी दबोच लिया है जिसे कोर्ट में पेश किया गया है।

मंदिर के पीछे सजा था जुआ फड़, 7 पकड़ाए

जबलपुर। घमापुर पुलिस ने ओमकला मंदिर के पीछे सजे जुआ फड़ पर दबिश देकर 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से 16 हजार 100 रूपये जप्त किए गए। पुलिस ने बताया कि ओमकला मंदिर के पीछे ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे जुआरी गुलाब रजक, सतीश स्वामी, संतोष सिंह ठाकुर, करण यादव, हरीश रैकवार, मिट्ठू यादव, उमेश सराटकर सभी निवासी घमापुर को गिरफ्तार किया गया। जुआड़ियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते 16 हजार 100 रूपये जप्त किए गए।

उपचार | रेलवे की तत्परता से बची यात्री की जान

अस्पताल पहुंचाकर घायल यात्री को दिलाया इलाज

जबलपुर, नवभारत। भारतीय रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में रेलवे हेल्पलाइन 139 रेल मदद के माध्यम से ट्रेन संख्या 12142 के संबंध में एक मेडिकल सहायता प्राप्त हुई। जिसमे सूचना मिलते ही उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) एवं आपातकालीन चिकित्सा सुविधा टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा यात्री को आवश्यक सहायता प्रदान की। निर्धारित समय पर ट्रेन संख्या 12142 के स्टेशन पर पहुंचने पर ईएमआर स्टाफ द्वारा संबंधित यात्री का तत्काल पता लगाकर उसकी चिकित्सकीय जांच की गई। जानकारी के अनुसार घायल यात्री सोनू कुमार इंजन के समीप स्थित सामान्य श्रेणी (जनरल कोच) में यात्रा कर रहे थे। जांच के दौरान पाया गया कि उनके पैर के तलवे में चोट लगी हुई थी ईएमआर टीम द्वारा पूछताछ करने पर यात्री ने बताया कि वह यात्रा के दौरान ट्रेन के दरवाजे पर बैठा हुआ था तथा उसका पैर बाहर की ओर निकला हुआ था। इसी दौरान किसी बाहरी वस्तु के संपर्क में आने से उसके पैर के तलवे में चोट लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही ईएमआर स्टाफ ने बिना विलंब किए घायल यात्री को प्राथमिक उपचार प्रदान किया तथा उसकी स्थिति का आकलन किया। चोट की गंभीरता को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा तत्काल रेलवे एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई।

उपलब्ध कराई गई चिकित्सा

इसके पश्चात घायल यात्री को बेहतर चिकित्सकीय उपचार हेतु सरकारी अस्पताल भेजा गया। यात्री को अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाने एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए ड्यूटी पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारी संदीप को भी उसके साथ भेजा गया। रेलवे प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, ईएमआर स्टाफ की तत्परता तथा आरपीएफ़ कर्मियों के सहयोग के कारण घायल यात्री को समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जा सकी। यह घटना एक बार पुन: दर्शाती है कि भारतीय रेल अपने यात्रियों की सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता प्रदान करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

गुणवत्ता सर्वोच्च स्तर की हो समझौता स्वीकार नहीं : घनश्याम

जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्माण कार्यों का अचानक लिया जायजा

जबलपुर । जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने सिहोरा विकासखंड अंतर्गत संचालित पीएम श्री विद्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मझगवां एवं पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भंडरा में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त कक्षों, अटल टिंकरिंग लैब एवं अन्य निर्माणाधीन अधोसंरचनात्मक कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी सोनी ने निर्माण कार्य करा रही एजेंसी एवं संबंधित ठेकेदार को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सर्वोच्च स्तर की होना चाहिए तथा इसमें किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। श्री सोनी ने विद्यालय प्रबंधन को भी निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें तथा गुणवत्ता संबंधी किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत करायें।